धारा(4) (1) ख (i) संगठन की विशिष्टियाँ कृत्य एवं कर्तव्य

वित्त विभाग के शाखा के रुप में मत्स्य विकास का कार्य वर्ष 1929 में प्रारंभ हुआ । इसे बाद में उद्योग विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया । वर्ष 1952 में यह मत्स्य शाखा कृषि विभाग को सौंपी गयी । मत्स्य विकास के बढ़ते कदम को देखते हुए, मत्स्य निदेशालय का गठन वर्ष 1964 में किया गया । तबसे यह निदेशालय कार्यरत हैं, जिसके माध्यम से मत्स्य प्रचार–प्रसार, शोध एवं मत्स्य उत्पादन की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों से मत्स्य कृषकों को सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है । निदेशक मत्स्य, मत्स्य निदेशालय के विभागाध्यक्ष हैं और इनके अधीन संयुक्त मत्स्य निदेशक, उप मत्स्य निदेशक एवं विभिन्न जिलों में पदस्थापित जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हैं । निदेशालय स्तर पर विभागीय कार्यों के निष्पादन हेतु निदेशक मत्स्य के अधीन संयुक्त मत्स्य निदेशक स्तर के दो पद यथा संयुक्त मत्स्य निदेशक (मुख्यालय) एवं संयुक्त मत्स्य निदेशक (राज्य परियोजना इकाई), उप मत्स्य निदेशक स्तर के तीन पद यथा उप मत्स्य निदेशक (मुख्यालय), उप मत्स्य निदेशक (रा0प0ई0) एवं उप मत्स्य निदेशक (सांख्यिकी एवं विपणन) तथा सहायक मत्स्य निदेशक स्तर का एक पद यथा सहायक मत्स्य निदेशक (योजना) स्वीकृत है। मत्स्य कार्यों के संपादन, पर्यवेक्षण, प्रशासन एवं कार्यान्वयन हेतु क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत प्रशासनिक स्वीकृत कार्यालय संरचना निम्न प्रकार है :

कार्यालय, संयुक्त मत्स्य निदेशक (प्रशिक्षण एवं प्रसार), मीठापुर, पटना : 01
कार्यालय, संयुक्त मत्स्य निदेशक (अनुसंधान) मीठापुर, पटना : 01
कार्यालय, उप मत्स्य निदेशक (परिक्षेत्र) : 09
कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी : 38

कार्यालय खुलने का समय : 9.30 बजे पूर्वाह्न से 6.00 बजे अपराह्न तक।

अवकाश का दिन : शनिवार, रविवार एवं बिहार गजट में घोषित तिथि।

निदेशालय में कार्यरत शाखाओं का कार्य निम्न प्रकार है :

शाखा स्थापना : अराजपत्रित स्थापना
शाखा – लेखा : लेखा
शाखा – राज्य परियोजना इकाई : केन्द्र एवं राज्य योजना का सूत्रण, क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण।
शाखा – सांख्यकी एवं विपणनः योजना, गैर–योजना एवं अन्य सभी प्रकार के आँकड़ों का संकलन, विश्लेषण एवं संधारण।

मत्स्य अनुसंधान कार्य हेतु मत्स्य अनुसंधान केन्द्र, मीठापुर, पटना में स्थापित है । संयुक्त मत्स्य निदेशक के अधीन तीन कनीय अनुसंधान पदाधिकारी के साथ–साथ एक सहायक मत्स्य निदेशक (अनुसंधान) पदस्थापित हैं । इनके द्वारा विभिन्न शोध कार्य का संपादन एवं क्षेत्रीय स्तर पर होनेवाले मत्स्य विकास के समस्याओं का निदान एवं प्रसार कार्य का संपादन किया जाता है । संयुक्त मत्स्य निदेशक को निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी की शक्ति प्रदत्त है और इनके अधीन सभी पदस्थापित पदाधिकारियों के नियंत्री पदाधिकारी हैं ।

मत्स्य प्रशिक्षण कार्य हेतु मत्स्य प्रशिक्षण केन्द्र मीठापुर, पटना में स्थापित है। संयुक्त मत्स्य निदेशक (प्रशिक्षण एवं प्रसार) के अधीन तीन व्याख्याता एवं तीन कनीय व्याख्याता पदस्थापित है। संयुक्त मत्स्य निदेशक प्रशिक्षण को निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी की शक्ति प्रदत्त है तथा इनके अधीन सभी पदस्थापित पदाधिकारियों के नियंत्री पदाधिकारी है।

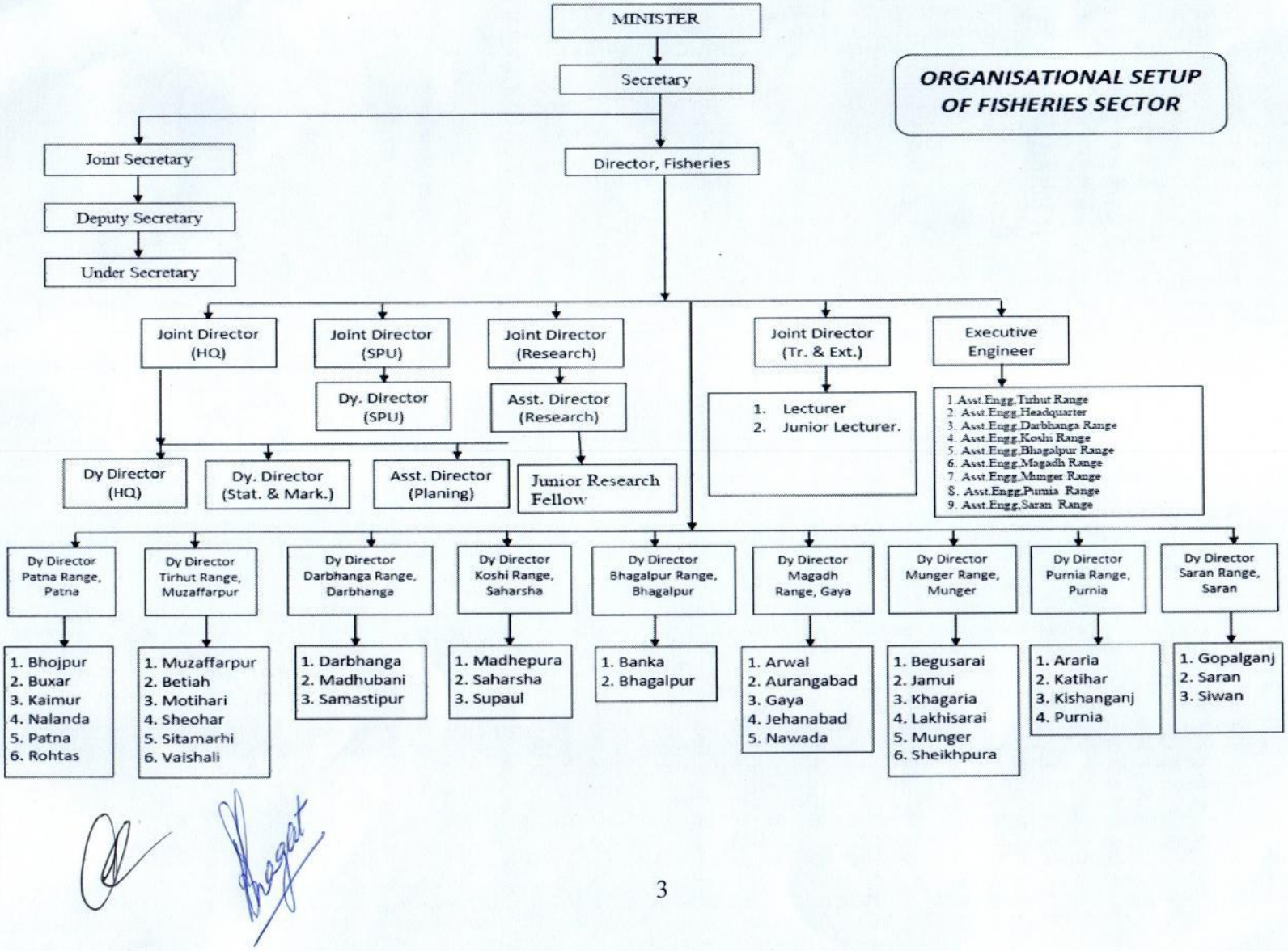

ORGANISATIONAL SETUP OF FISHERIES SECTOR
MINISTER
Secretary
Joint Secretary
Deputy Secretary
Under Secretary
Director, Fisheries
Joint Director (HQ)
Joint Director (SPU)
Joint Director (Research)
Joint Director (Tr. & Ext.)
Executive Engineer
Dy. Director (SPU)
Asst. Director (Research)
1. Lecturer
2. Junior Lecturer.
1.Asst.Engg.Tirhut Range
2. Asst.Engg.Headquarter
3. Asst.Engg.Darbhanga Range
4. Asst.Engg.Koshi Range
5. Asst.Engg.Bhagalpur Range
6. Asst.Engg.Magadh Range
7. Asst.Engg.Munger Range
8. Asst.Engg.Purnia Range
9. Asst.Engg.Saran Range
Dy Director (HQ)
Dy. Director (Stat. & Mark.)
Asst. Director (Planing)
Junior Research Fellow
Dy Director Patna Range, Patna
Dy Director Tirhut Range, Muzaffarpur
Dy Director Darbhanga Range, Darbhanga
Dy Director Koshi Range, Saharsha
Dy Director Bhagalpur Range, Bhagalpur
Dy Director Magadh Range, Gaya
Dy Director Munger Range, Munger
Dy Director Purnia Range, Purnia
Dy Director Saran Range, Saran
1. Bhojpur 2. Buxar 3. Kaimur 4. Nalanda 5. Patna 6. Rohtas
1. Muzaffarpur 2. Betiah 3. Motihari 4. Sheohar 5. Sitamarhi 6. Vaishali
1. Darbhanga 2. Madhubani 3. Samastipur
1. Madhepura 2. Saharsha 3. Supaul
1. Banka 2. Bhagalpur
1. Arwal 2. Aurangabad 3. Gaya 4. Jehanabad 5. Nawada
1. Begusarai 2. Jamui 3. Khagaria 4. Lakhisarai 5. Munger 6. Sheikhpura
1. Araria 2. Katihar 3. Kishanganj 4. Purnia
1. Gopalganj 2. Saran 3. Siwan